Bihar Board Class 6 Social Science History Notes Chapter 9 प्रथम साम्राज्य

पाठ का सारांश

- अशोक महात्मा बुद्ध के उपदेशों से काफी प्रभावित था।
- 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप नामक अंग्रेज विद्वान ने सर्वप्रथम ब्राम्ही लिपि को पढ़ा।
- भ्राबरू अभिलेख से अशोक का बौद्ध धर्मावलम्बी होना और धम्म तथा संघ में विश्वास करना सिद्ध होता है।
- मौर्य सम्राज के भीतर कई छोटे क्षेत्र या प्रांत थे, इनमें चार प्रांत मगध, तक्षशिला, उज्जैन एवं स्वर्णगिरी प्रमुख थे।
- अशरेल पहला शासक था जिसने अभिलेखों द्वारा अपना संदेश आम लोगों तक पहुंचाया।
- जब राज्य बहुत बड़ा हो जाता है तब उसे साम्राज्य कहते हैं।
- अशोक का साम्राज्य पश्चिम में हिन्दुकुश से लेकर पूर्व में बंगाल की खाड़ी तक और उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में कर्नाटक तक फैला था।
- कलिंग की विजय से मौर्य साम्राज्य अपने विस्तार की चरम सीमा पर पहुंच गया था।
- अशोक ने जिस धम्मे का रूप संसार के सामने रखा उसमें कई अच्छी बातें निहित थी। अशोक के धम्म में न तो कोई देवी-देवता थे और न ही उसमें कोई व्रत, उपवास या यज्ञ करने की बात कही गई थी।

https://www.evidyarthi.in/